कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के सदस्य डा. एम. जे. मोडायिल का भ्रमण।

आज दिनांक 4 अक्तूबर, 2008 को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के सदस्य डा. एम.जे.मोडायिल द्वारा केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया गया। डा. मोडायिल के संस्थान आगमन पर संस्थान के निदेशक डा. गुरबचन सिंह व सभी विभागाध्यक्षों द्वारा गुलदस्ते देकर भव्य स्वागत किया गया तथा निदेशक द्वारा शाल व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया एवं संस्थान में हुये अनुसंधान व अन्य गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

संस्थान के निदेशक डा. गुरबचन सिंह ने डा. एम.जे.मोडायिल को संस्थान के प्रक्षेत्र पर भ्रमण के दौरान बताया कि कम खेती योग्य जमीन (घटती जोत) पानी की बचत व किसान की प्रतिदिन आय को ध्यान में रखते हुये जिसमें मछली पालन, मधुमक्खी पालन, दलहनी फसलों, फूलों, फलों व सब्जी की खेती, पशुपालन, हरा चारा, धान, गेहूं आदि की खेती की जा रही है, जिन किसानों के पास 2 या 2½ एकड़ जमीन भी है वें केवल धान–गेहूं के फसल चक्र पर निर्भर न रहा कर संस्थान द्वारा की जा रही माडल खेती अपना सकते हैं क्योंकि धान व गेहूं की खेती में 6 महीने बाद आमदनी होती है परन्तु माडल खेती में प्रतिदिन दूध, शहद, सब्जी, हरा चारा, मछली, फल व फूल आदि बेचकर आमदनी होती रहती है और परिवार का खर्च आसानी से वहन किया जा सकता है इसके अलावा परिवार को रोजगार भी मिलता है।

निदेशक द्वारा माडल खेती के अलावा औषधीय पौधों की खेती, पानी की रिचार्ज पद्धति, जीरो टिलेज व बैड प्लांटिंग में खेती, लवणसहनशील प्रजातियों की जानकारी, बायो डीजल पौधे, जटरोफा की खेती आदि पर चल रहे अनुसंधान व शोधों को दिखाया गया। संस्थान के कान्फ्रेंस हॉल में डा. मोडायिल ने संस्थान के सभी वैज्ञानिकों को सम्बोधित किया तथा कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के प्रति समस्या या सुझाव आमंत्रित करते हुए सकारात्मक शोध करने पर बल दिया ताकि किसानों को सीधा फायदा हो सके। उन्होंने संस्थान की शोध उपलब्धियों विशेषकर बहुउद्देश्यीय खेती (माडल खेती) की सराहना की तथा निदेशक व सभी वैज्ञानिकों का धन्यवाद किया।